

## **IIMA PRESS RELEASE 2014-15**



### **PGPX Speaker Series: Talk by Dr. APJ Abdul Kalam**

IIMA, May 24, 2014: Former President Dr. A P J Kalam today addressed students of PGPX, a one year MBA program, at IIM Ahmedabad, as a part of the PGPX Speaker series organised by the PGPX 2014-15 batch. He talked about the dynamics and characteristics of leadership that he expected from India's future business leaders. IIM-A's PGPX batch comprises eighty-five highly experienced professionals from diverse sectors. PGPX students are expected to take on future leadership roles in the industry.

In his address, Dr. Kalam emphasised that leaders should not worry about what they gain but instead focus on what they give. In explaining how a nation as large and diverse as India could achieve developed economy status, he laid out a clear path and relationship between economic development and its fundamental reliance on management innovation and creative leadership. Dr. Kalam shared his personal experience and advised students to absorb failure individually and when you succeed, give credit to the team. He viewed ethical behaviour as a fundamental leadership trait.

In response to questions from PGPX students on the ethics of weaponisation of space, he said that India needed to build strength. He mentioned that realpolitik dictates that strength respects strength. And, that such conditions in which India is not threatened, actually create peace and will allow it innovate and thrive. To another query regarding leadership and failure, Dr. Kalam talked about how the first leaders of India's space program demonstrated the ability to absorb large and public failures individually and despite failure stay focused on the success of the project.

## आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2014-15



### पीजीपीएक्स वक्ता शृंखला : डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा व्याख्यान

आईआईएमए, 24 मई, 2014 : आईआईएम अहमदाबाद में पीजीपीएक्स 2014-15 बैच द्वारा आयोजित वक्ता शृंखला के हिस्से के रूप में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. कलाम ने आज एकवर्षीय एमबीए कार्यक्रम पीजीपीएक्स के छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने भारत के भावि व्यवसाय नेतृत्व की गतिशीलता और विशेषताओं युक्त नेतृत्व की अपेक्षाओं के बारे में व्याख्यान दिया। आईआईएम-ए के पीजीपीएक्स बैच में विविध व्यावसायिक क्षेत्रों से उच्च कार्यानुभव वाले पच्चासी व्यावसायी शामिल हैं। पीजीपीएक्स छात्रों से उद्योग में ऐसे भावि नेतृत्व के पदों को संभालने की अपेक्षा रखी जाती है।

अपने व्याख्यान में, डॉ. कलाम ने इस बात पर जोर दिया कि अग्रणियों को इस बात की चिंता नहीं करनी चाहिए कि वे क्या प्राप्त करेंगे, बल्कि इस बात पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए कि उन्होंने समाज को क्या दिया है। भारत जैसा विशाल एवं विविधता वाला देश कैसे विकसित अर्थव्यवस्था की स्थिति प्राप्त कर सकता है यह स्पष्ट करते हुए कलाम ने प्रबंधन नवाचार एवं रचनात्मक नेतृत्व पर आर्थिक विकास तथा अपनी मौलिक निर्भरता के बीच स्पष्ट मार्ग और संबंधितता को निर्धारित किया। डॉ. कलाम ने छात्रों के बीच अपना निजी अनुभव साझा किया और सलाह दी कि व्यक्तिगत रूप से असफलता को अवशोषित कर लो और जब सफल हो तब इसका श्रेय टीम को दो। उन्होंने मूलभूत नेतृत्व लक्षण को नैतिक व्यवहार बताया।

अंतरिक्ष के शस्त्रीकरण की नैतिकता के बारे में पीजीपीएक्स छात्रों के द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा कि भारत को शक्ति-निर्माण की ज़रूरत है। उन्होंने यह भी बताया कि जो राजनीति शक्ति-निर्माण करती है वह शक्ति का आदर तय करती है। और, ऐसी स्थिति में भारत को कोई धमकाता नहीं है, वास्तव में शांति पैदा होती है और कुछ नया पनपने की अनुमति मिलती है। नेतृत्व और असफलता के अन्य एक प्रश्न में, डॉ. कलाम ने यह बात कही कि कैसे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रथम अग्रणियों ने विशाल एवं सार्वजनिक असफलता को आत्मसात् करने की क्षमता पर व्यक्तिगत रूप से और असफलता के बावजूद भी परियोजना की सफलता पर ध्यान केंद्रित किया था।